236. नागौर का 'बू' गाँव किस कलात्मक कार्य के लिए प्रसिद्ध है?

(a) जूट पट्टी
(b) कच्ची मिट्टी के खिलौने
(c) मोटी सूती शॉल
(d) हस्त निर्मित कागज

JEN Machanical Degree (Non TSP Area) -2016
पटवार 2020 (24 अक्टूबर, 2021) Shift-III

Ans. (b) राजस्थान के नागौर जिले का 'बू' गाँव 'मिट्टी के खिलौने' बनाने के लिए प्रसिद्ध है। यह गाँव गुलदस्ता, गमले के पौधे और जानवरों एवं पक्षियों की कलाकृति के लिए भी जाना जाता है।

237. राजस्थान का कौन सा क्षेत्र बेल बूटे की छपाई की परंपरागत कला के लिए जाना जाता है?

(a) बगरू (b) मोलेला
(c) सांगानेर (d) बस्सी

पटवार -2020 (23 अक्टूबर, 2021)

Ans. (a) राजस्थान का बगरू (जयपुर) क्षेत्र बेल-बूटे की छपाई की परंपरागत कला के लिए जाना जाता है। हाथ से कपड़े पर की जाने वाली ब्लॉक प्रिंटिंग ने बगरू को अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाई है। पारंपरिक बगरू प्रिंट ज्यादातर सूती कपड़े में पाये जाते थे लेकिन कभी-कभी कपास और रेशम के मिश्रण का भी उपयोग होता था। आयोग ने इस प्रश्न को अपने उत्तरकुंजी से डिलीट कर दिया था।

238. _____जयपुर का परंपरागत शिल्प है।

(a) थेवा कार्य (b) ऊनी खादी
(c) पेन्टिंग्स (d) ब्लू पॉटरी

LDC Exam 12.08.2018

Ans. (d) – ब्लू पॉटरी जयपुर का परम्परागत शिल्प है। जयपुर की ब्लू पॉटरी को पुनर्जीवित करने में कृपाल सिंह शेखावत का महत्वपूर्ण योगदान है। जयपुर में ब्लू पॉटरी कला को प्रारम्भ करने का श्रेय रामसिंह (प्रथम) को जाता है।

239. राजस्थान के कोटा और बाराँ जिले में बनाई जाने वाली 'चूंदडी' का कार्य _____का प्रकार है।

(a) टाई एवं डाई (b) पॉटरी का निर्माण
(c) हाथ की कढ़ाई (d) पेन्टिंग

LDC Exam 16.09.2018

Ans. (c) राजस्थान के कोटा और बारां जिले में बनाई जाने वाली चूंदड़ी का कार्य 'हाथ की कढ़ाई' का एक प्रकार है। पारम्परिक राजस्थान कढ़ाई का काम विभिन्न प्रकार की महीन टाकों के साथ कपास, रेशम या मखमल पर किया जाता है।

240. राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान ने भौगोलिक सूचक पद में शिल्पकला में जिनका सूचीकरण किया है वे है –

(a) ब्ल्यू पॉटरी जयपुर की एवं चिकनी मिट्टी उद्योग उदयपुर का
(b) जरी उद्योग अजमेर का एवं ब्लाक प्रिंटिंग सांगानेर का
(c) कशीदाकारी बाड़मेर की एवं ऊनी कपड़े जैसलमेर का
(d) पेंटिंग किशनगढ़ की एवं नामदास टौंक के

उत्तर-(a)

RPSC RAS/RTS 2008

व्याख्या – राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान ने भौगोलिक सूचक पद में शिल्पकला में जिनका सूचीकरण किया है वे ब्ल्यू पॉटरी जयपुर की एवं चिकनी मिट्टी उद्योग उदयपुर का हैं।

(iii) राजस्थान : संगीत, नृत्य, नाट्य एवं वाद्ययंत्र

241. निम्नलिखित में से कौन सा (लोक नाट्य -स्थान) सुमेलित नहीं है?

(a) नौटंकी - भरतपुर, धौलपुर
(b) तमाशा - जयपुर
(c) तुर्रा कलंगी - मारवाड़
(d) रम्मत - बीकानेर, जैसलमेर

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-C

Ans. (c) : सही सुमेलित है -

लोक नाट्य	-	**स्थान**
नौटंकी	-	भरतपुर, धौलपुर
तमाशा	-	जयपुर
तुर्रा कलंगी	-	निमाड़
रम्मत	-	बीकानेर, जैसलमेर

242. इनमें से कौन मांड गायन में सिद्धहस्त नहीं है?

(a) अल्लाह जिलाई बाई (b) गवरी बाई
(c) गुलाबो (d) बन्नो बेगम

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-C

Ans. (c) : 10-11 वीं शताब्दी में राजस्थान का जैसलमेर क्षेत्र माण्ड क्षेत्र कहलाता था और यहाँ विकसित गायन शैली माण्ड गायन शैली कहलाती है। माण्ड गायन शैली में अल्ला-जिल्ला बाई, गवरी बाई, बन्नो बेगम, मांगी बाई का नाम प्रसिद्ध है। गुलाबों का सम्बन्ध मांड गायन से नही है।

243. अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त जानकीलाल भांड का संबन्ध किस लोक नाट्य से है?

(a) रम्मत (b) स्वांग
(c) नौटंकी (d) ख्याल

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-D

Ans. (b) : अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त जानकीलाल भांड का सम्बन्ध स्वांग लोकनाट्य से है। स्वांग, भरतपुर एवं शेखावटी क्षेत्र की लोकनाट्य कला है। यह विधा हास्य प्रधान होती है जिसमें विचित्र वेशभूषाओं में कलाकार हँसी ठट्ठों के द्वारा लोगों का मनोरंजन करते हैं। रावल, भांड मानमति जाति द्वारा स्वांग प्रस्तुत किया जाता है।

244. 'रूपायन संस्थान' कहाँ स्थित है?

(a) बोरुन्दा (b) बगरु
(c) बदनोर (d) बून्दी

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-D

Ans. (a) : रूपायन संस्थान की स्थापना 1960 ई. में बोरून्दा (जोधपुर) में कोमल सिंह कोठारी ने की थी। इन्होनें राजस्थानी कला एवं संस्कृति की धरोहर का क्रमबद्ध संकलन किया है। रूपायन संस्थान के विकास एवं लोकप्रियता दिलाने में कलामर्मज्ञ एवं पद्मभूषण से सम्मानित स्व. कोमल एवं पद्मश्री विजयदान देथा (राजस्थानी भाषा के मूर्धन्य साहित्यकार) का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।